...श प्रताप सिंह विश्वविद्यालय

...हा [म० प्र०]

नि...शिका

(प्राच्य ...कृत संकाय)

...ग–1

...मावली पाठ्य ग्रन्थावली

प्रथमा ...रीक्षा १९९९

...काशक

...लसचिव

...धेश प्र... सिंह विश्वविद्यालय

...(म० प्र०)

मूल्य : ६.००

(डाकव्यय अतिरिक्त)

प्रथमा परीक्षा

अध्यादेश क्रमांक-47

अवधि — विश्वविद्यालय स्तर में एक वर्ष में ही सम्पन्न होगी।

प्रवेश नियम —

1. निम्नलिखित परीक्षाओं में उत्तीर्ण छात्र ही इस परीक्षा में प्रवेश ले सकते हैं।

समकक्षता —

[क] पंचम कक्षा—प्रारम्भिक विद्यालय (प्राथमिक विद्यालय)।

[ख] तत्समकक्ष परीक्षा।

2. यह परीक्षा तीन वर्षों में सम्पन्न होगी। प्रथम-द्वितीय वर्ष की परीक्षा को सत्रान्त में विद्यालय ही सम्पन्न कराने के लिये अधिकृत होगा। तीसरे वर्ष के लिये निर्धारित पाठ्य ग्रन्थों की परीक्षा तृतीय वर्ष के अन्त में विश्वविद्यालय लेगा।

3. प्रथम खण्ड में उत्तीर्ण छात्र द्वितीय खण्ड में तथा द्वितीय खण्ड में उत्तीर्ण छात्र तृतीय खण्ड में प्रवेश ले सकेंगे।

4 स्वीकृत विद्यालय के प्रधानाचार्य छात्रों की योग्यता का परीक्षण कर इस परीक्षा के प्रथम खण्ड अथवा तृतीय खण्ड में अध्यापन के लिये प्रवेश दे सकते हैं।

5. प्रथम-द्वितीय वर्षों की परीक्षा के लब्धांक पत्रादि को विद्यालय का प्रधानाध्यापक सुरक्षित रखेगा।

पाठ्यक्रम—

इस परीक्षा में चार अनिवार्य विषय एवं एक वैकल्पिक विषय होगा। सभी मिलकर तीन-तीन घन्टे के आठ प्रश्न-पत्र होंगे

ऐच्छिक [अतिरिक्त विषय] में अंग्रेजी भाषा का एक अतिरिक्त प्रश्न पत्र होगा। प्रत्येक प्रश्न-पत्र 100 पूर्णाङ्क के होगा। प्रत्येक विषय में 33 प्रतिशत अंक उत्तीर्ण होने के लिये आवश्यक होगें। किन्तु अनिवार्य संस्कृतप्रश्न-पत्रों में प्रति प्रश्न-पत्र 25 प्रतिशत अंक अवश्य प्राप्त करने होंगे।

श्रेणी निर्धारण निर्देश—

प्रथमा परीक्षा में उतीर्ण छात्रों की तीन श्रेणियां होगी—

1. शत प्रतिशत अंको में 60 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र प्रथम श्रेणी मे उत्तीर्ण माने जावेगे।

2. शत प्रतिशत अंको में 45 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले द्वितीय श्रेणी में माने जावेगे।

3. शतप्रतिशत अंकों में 33 प्रतिशत या उसमें अधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र तृतीय श्रेणी मेंउतीर्ण माने जावेंगे।

प्रथमा परीक्षा में—

पाठयक्रम एवं प्रश्न-पत्र संख्या—८

अनिवार्य विषय

[1] संस्कृत [2] हिन्दी [3] समाजिक शास्त्र [इतिहास, भूगोल, नागरिक शास्त्र) [4] गणित।

संस्कृत में निम्नलिखित चार प्रश्न-पत्र होंगे—

प्रश्न-पत्र	विषय	पूर्णांक	उत्तीर्णांक
प्रथम प्रश्न-पत्र	व्याकरण	100	
द्वितीय प्रश्न-पत्र	पद्य-काव्य	100	132
तृतीय प्रश्न-पत्र	गद्य-काव्य	100	
चतुर्थ प्रश्न पत्र	दर्शन	100	
2 पंचम प्रश्न-पत्र	हिन्दी		33
3. षठ प्रश्न-पत्र	समाजिक अध्यन	100	33
4. सप्तम प्रश्न-पत्र	गणित	100	100

वैकल्पिक विषय—अष्ठम् प्रश्न-पत्र

निम्नविषयों में से कोई एक विषय लेना अनिवार्य होगा---
वेद, ज्योतिष, गणित, विज्ञान, संगीत एवं गृह विज्ञान।
संगीत में [कंठ संगीत, तबला वाद्य संगीत, सितार वाद्य संगीत तीन में कोई एक

संगीत एवं गृह-विज्ञान दो विषयों में बालिकाओं के लिए ही प्रवेश दिया जायेगा।

ऐच्छिक (अतिरिक्त विषय) अंग्रेजी

अंग्रेजी भाषा में एक अतिरिक्त प्रश्न पत्र होगा जिसे स्वेच्छा से परीक्षार्थी ले सकते हैं इस प्रश्न-पत्र की परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण-पत्र में उल्लेख होगा।

प्रथमा परीक्षा १९९९

पूर्णांक: 100

[illegible]र्य विषय-संस्कृत

प्रथमं प्रश्नपत्रम् व्याकरणम्

[illegible] वर्ष: (क) लघुसिद्धान्त कौमुदी (विसर्गसन्ध्यन्त)

(ख) शब्दरूप—राम, सर्व, हरि, सखि, पितृ, धातृ, गो, रमा, मति, नदी, स्त्री, जगत्, ज्ञान, वारि, दधि, मधु, [illegible] किम्, इदम् इत्यादि शब्द (तीनों लिङ्गों में) राजन् युस्मद्, अस्मद्, धनुष् आदि एक से दस तक संख्यावाची शब्दों का रूप ज्ञान।

(ग) धातुरूप: भू, गम्, स्था, दृश्, [illegible] स्पृश्, श्रु, गद्, खाद्, रुध्, पच्, अस् [illegible] कृ, वद्, क्रीड् [illegible] ज्ञान

[illegible] वर्ष: 100

लघुसिद्धान्त कौमुदी ([illegible])

(1) प्रयोगसिद्धि प्रकार 60
(2) सोदाहरण सूत्रार्थ ज्ञान 20 } 100
(3) शब्द धातु रूप ज्ञान 20

[illegible] वर्ष 100

लघुसिद्धान्त कौमुदी सम्पूर्ण

(1) प्रयोगसिद्धि प्रकार 60
(2) सोदाहरण सूत्रार्थज्ञान 20
(3) शब्द रूप ज्ञान 20

द्वितीय प्रश्नपत्रम् संस्कृत पद्यकाव्यम् पूर्णांक: 100

प्रथम वर्ष:

[क] मूलरामायणस्य आदितः 30 श्लोकाः।

[ख] छन्दः

आर्या, अनुष्टुप्, वियोगिनी, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, केवल लक्षणोदाहरणानि।

द्वितीय वर्ष:

[क] मूलरामायणस्य 31–60 श्लोकाः।

[ख] छन्दः

दोधकम्, तोटकम्, भुजङ्गप्रयातम्, द्रुतविलम्बितम्, वंशस्थ केवलं लक्षणोदाहरणानि।

तृतीय वर्ष:

[क] मूलरामायणस्य 61–100 श्लोकाः।

[ख] छन्दः

प्रहर्षिणी, वसन्ततिलका, मालिनी, हरिणी, शिखरिणी, मन्दाक्रान्ता, शार्दूलविक्रीडितम् स्रग्धरा केवलं लक्षणोदाहरणानि।

सहायक ग्रन्थ:

शब्दधातुरूपछन्दसां तालिका

सम्पादक—विनोदराव पाठक

प्रकाशक—शारदा प्रकाशन संस्थान

डी. 36/44 अगस्त्य कुण्ड, वाराणसी।

गद्यकाव्यम्

तृतीय प्रश्नपत्रम् पूर्णांक: 100

प्रथम वर्ष:

[क] नीतिसंग्रहस्य मित्रलाभः (प्रथम कथा)
सम्पादक : गौरीनाथ पाठक:
प्रकाशक : शारदा प्रकाशन संस्थान
डी./36/44 अगस्त्य कुण्ड, वाराणसी।

[ख] अनुवाद : (1) संस्कृत वाक्यानां हिन्दी भाषाया मनुवाद।
(2) हिन्दी वाक्यानां संस्कृतेऽनुवाद:

द्वितीय वर्ष: पूर्णाङ्क: १००

[क] नीतिसंग्रहस्य मित्रलाभः (द्वितीय कथा)
सम्पादक : गौरीनाथ पाठक:
[ख] अनुवाद : (1) हिन्दी भाषात: संस्कृते।
(2) संस्कृतात् हिन्दी भाषायाम्।

तृतीय वर्ष: पूर्णाङ्क: १००

(क) नीतिसंग्रहस्य मित्रलाभ: (तृतीय कथा)
सम्पादक : गौरीनाथ पाठक:
प्रकाशक : शारदा प्रकाशन संस्थान,
डी. 36/44 अगस्त्य कुण्ड, वाराणसी।

[ख] अनुवाद : (1) संस्कृतात् हिन्दी भाषायाम्
(2) हिन्दी भाषात: संस्कृते

सहायक ग्रन्थ :

1. बालनिबन्धमाला—ले० श्री वासुदेव द्विवेदी,
प्रकाशक :
सार्वभौम संस्कृत प्रचार कार्यालय,
वाराणसी।
2. संस्कृत रचनानुवाद—ले० विश्वेश्वर सिद्धान्त शिरोमणि:
3. प्रारम्भिक रचनानुवाद कौमुदी—डा० कपिलदेव द्विवेदी,
विश्वविद्यालय प्रकाशन,
वाराणसी।

दर्शनम्

चतुर्थ प्रश्नपत्रम् पूर्णांक: 100

प्रथम वर्ष:

तर्कसंग्रहस्य प्रत्यक्ष खण्डम् (मूलमात्रम् संस्कृत भाषायां)
अथवा
श्रीमद् भगवद् गीतायाः द्वितीयाध्याये श्लोका 54–72
अथवा
इष्टोपदेश (पूज्यपादाचार्य, श्लोका: 1–25)

द्वितीय वर्ष:

तर्कसंग्रहस्य अनुमानोपमान शब्द खण्डा: (मूलमात्रम् संस्कृते हिन्द्यां)
अथवा
श्रीमद् भगवद् गीतायाः षष्ठाध्याये श्लोका: 1–32
अथवा
इष्टोपदेश: श्लोका: 26–50

तीय वर्ष :

तर्कसंग्रहस्य अवशिष्टो भागः पूर्व मूलमात्रम् संस्कृते हिन्दी भाषायां

श्रीमद् भगवद् गीतायां एकादशाध्याये श्लोकाः 36–55

अथवा

उपदेश (अर्थ) सम्पूर्णः संस्कृते व्याख्या ।

अनिवार्य विषयः हिन्दी

[पंचम प्रश्न-पत्र अनिवार्य विषय हिन्दी]

पूर्णाङ्कः 100

प्रथम वर्ष :

यह प्रश्न-पत्र 3 घन्टे एवं 100 अंकों का होगा :

प्रश्न पाठ्य पुस्तकों से गद्यांश एवं पद्यांश की व्याख्या तथा पाठ्य सारांश पूछे जायेंगे। अंक विभाजन निम्नलिखित रूप से होगा।

[क] पाठ्य पुस्तक

बाल भारती (कक्षा 6) सम्पादक : श्री अक्षयकुमार जैन (म० प्र० पाठ्य-पुस्तक निगम)

[ख] व्याकरण 25

व्याकरण का महत्व, स्वर व्यंजन और शब्द, संज्ञा, सर्वनाम और विशेषण, लिंग वचन तथा पुरुष

सहायक पुस्तकें—

1. हिन्दी अपठित तथा रचना—लेखक महावीर प्रसाद अग्रवाल प्रकाशक :—पुष्पराज प्रकाशन, बस स्टैन्ड, रीवा
2. व्याकरण प्रयोगशाला, भाग-1 लेखक श्री करुणापति त्रिपाठी प्रकाशक—हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी।

[निबन्ध लेखन

अनिवार्य विषयः सामाजिक अध्ययनम्

षष्ठ प्रश्न पत्र पूर्णाङ्कः १००

प्रथम खण्ड

इतिहास खण्ड—आदि कालीन भारत से हर्षवर्द्धन तक।

[१] इतिहास जानने के स्रोत
[२] सिन्धु घाटी की सभ्यता ।
[३] वैदिक काल का जीवन ।
[४] जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म ।
[५] सिकन्दर का आक्रमण ।
[६] मौर्य साम्राज्य ।
[७] शुंग सातवाहन एवं कुषाण वंश
[८] गुप्त साम्राज्य
[९] हर्षवर्द्धन
[१०] दक्षिण भारत के राज्य ।
[११] राजपूतों की उत्पत्ति-शासन व्यवस्था एवं जन जीवन ।

पुस्तक सामाजिक अध्ययन, कक्षा 6 [मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम]

[ख] भूगोल

(१) भौतिक पृथ्वी का आकार, गतियाँ, ऋतु-परिवर्तन, दिन-रात मानचित्र का सामान्य ज्ञान
(२) स्थानीय (भूगोल—बाजार व मेले, गाँवों, कस्बों तथा नगरों का सम्बन्ध, विशेष फसलें एवं उद्योग।
(३) भारतवर्ष—स्थिति सीमा, विस्तार, प्राकृतिक बनावट, जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, कृषि, उद्योग, यातायात, व्यापार, पंचवर्षीय योजनायें जनसंख्या एवं प्रमुख नगर।

सहायक-पुस्तकें—

१– प्रारम्भिक भूगोल, ले०—कु० सुमन वर्मा।

[illegible] विदेश भाग १, ले० – गुलाबचन्द्र कक्कड़,
प्र० नेशनल प्रेस, इलाहाबाद।

[illegible]रिक शास्त्र

[illegible]र तथा जिला का शासन-व्यवस्था का अध्ययन।
[illegible]र पालिका एवं जिला परिषद, संगठन तथा कार्य।
[illegible]ीण समस्याएं तथा उनका समाधान।
[illegible] सभा तथा ग्राम पंचायत संगठन एवं कार्य।
[illegible]ीय एवं राष्ट्रीय पर्व।

[illegible] पुस्तकें—

[illegible]त समाजिक ज्ञान, ले०—श्री जगदीश सहाय बिसारिया।
[illegible] इतिहास, भाग १, ले०—रामचरण विद्यार्थी
प्र० शंकर प्रकाशन अलीगढ़।
[illegible] अध्ययन कक्षा ६ एवं ७ म०प्र० पाठय पुस्तक निगम

[illegible] खण्ड: [illegible]

[illegible] खंड: [illegible]

भारत पर मुस्लिम आक्रमण।
दिल्ली के सुल्तान (१२०६ ई० से १५०६ ई०)
सल्तनत काल की शासन व्यवस्था एवं जनजीवन।
सूफी सन्त एवं भक्ति कवि।
मुगल साम्राज्य (१५२० ई० से १६८७ ई०)
मुगल काल की शासन व्यवस्था एवं जनजीवन।
३- मराठा राज्य [illegible]
[illegible]

[illegible]जिक अध्ययन कक्षा ७।
मध्य प्रदेश पाठय पुस्तक निगम।

(ख) भूगोल

१. भौतिक अक्षांश एवं देशान्तर रेखा, ग्रहण, धरातल के प्रकार, जलवायु, और मौसम।
२- एशिया–स्थिति, सीमा, विस्तार प्राकृतिक बनावट, जलवायु प्राकृतिक वनस्पति, कृषि, मुख्य उद्योग, यातायात, व्यापार एवं बन्दरगाह, नगर एवं जन संख्या।
3. खोज की यात्राएँ, पृथ्वी के विभिन्न भागों के खोज की कुछ रोचक कहानियाँ - कलम्बस, वास्कोडिगामा तथा उसकी सामुद्रिक यात्राएँ।

सहायक पुस्तकें –

१. देश विदेश भाग २, ले० –गुलाबचन्द्र कक्कड़, प्र०-नेशनल प्रेस इलाहाबाद।
२. प्रारम्भिक भूगोल, ले० - कुमारी सुमन वर्मा।

(ग) नागरिक शास्त्र

१. मध्य प्रदेश के सन्दर्भ में भारतीय संघ के राज्यों का अध्ययन, राज्यपाल मन्त्रिमण्डल, व्यवस्थापिका सभा, निर्वाचन तथा मताधिकार।
2. न्याय व्यवस्था, सर्वोच्च न्यायालय, हाई कोर्ट, जिला न्यायालय।
३. भारतीय जीवन की कुछ समस्याएँ—निरक्षरता, निर्धनता, अस्पृश्यता कृषि-प्रणाली, समाजिक प्रथाएँ।

सहायक पुस्तकें —

१- संक्षिप्त सामाजिक ज्ञान, द्वितीय खण्ड,—ले० श्री जगदीश सहाय बिसारिया।

सहायक पुस्तकें—

१- प्रारम्भिक भूगोल ले०—कुमारी सुमन वर्मा।
देश विदेश भाग 3, ले०—गुलाबचन्द्र ककड़।
नेशनल प्रेस इलाहाबाद।

(ग) नागरिक शास्त्र

१- भारतीय संविधान द्वारा स्वीकृत मौलिक अधिकारों का संक्षिप्त अध्ययन।
२- भारतीय गणराज्य का संक्षिप्त परिचय।
३- केन्द्रीय शासन व्यवस्था, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, मन्त्रि-मण्डल, विधान सभा,
४- अन्तराष्ट्रीय शान्ति-संगठन, संयुक्त राष्ट्र-संघ तथा उनकी शाखाएँ।
५- महात्मा गांधी और उनका आध्यात्मिक प्रभाव।

सहायक पुस्तकें—

१- संक्षिप्त समाजिक ज्ञान, तृतीय खण्ड, ले०—श्री जगदीश सहाय विसारिया।
२- हमारा इतिहास भाग-३, ले०—रामचरण विद्यार्थी, शंकर प्रकाशन अलीगढ़।

अनिवार्य विषयः गणितम्

[illegible] पत्रम् [illegible] पूर्णांकः 100

[illegible] मानम् व्यवहारगणितम्। रेखा, कोण, किरण, रेखा-[illegible] की परिभाषा।

[illegible] पुस्तकम् :— म. प्र. पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा [illegible] शित कक्षा ६ की गणित।

[illegible] रणभिन्नम्, [illegible] सरलीकरणस्य सुगमाः [illegible]। कोण, रेखा के दो भाग करना, त्रिभुज रचना।

[illegible] पुस्तकम् म. प्र. पाठ्यपुस्तक निगम द्वारा प्रकाशित [illegible] कक्षा ७ की गणित।

([illegible]) त्रैराशिकस्य साधारण ज्ञानम्। एक अज्ञात तथा दो [illegible] राशियों के समीकरण (सरल)। दो त्रिभुजों की [illegible] समता की शर्तें।

[illegible] पुस्तकम् म. प्र. पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा [illegible] शित कक्षा ८ की गणित।

(१) प्रथमा परीक्षायाम्-वैकल्पिको विषयः

अष्टम् प्रश्न पत्रम् १ वेदः पूर्णाङ्कः 100

प्रथम वर्षः

ऋग्वेदीय रुद्रस्य [आश्वलायन रुद्रपद्धत्यनुसारीणि]
१-३ सूक्तानि।

अथवा

शुक्ल यजुर्वेद रुद्राष्टाध्याय्या अध्यायाः।

अथवा

कृष्णयजुर्वेद रुद्राध्यायस्य प्रथमोनुवाकः

अथवा

सामवेदे पवित्र वर्गः

अथवा

अथर्ववेदीय रुद्रस्य १-३ सूक्तानि।

सहायक पुस्तकम् : पचशाली रुद्र संग्रहः।

द्वितीय वर्षः पूर्णाङ्क 100

ऋग्वेदीय रुद्रस्य (आश्वलायन रुद्रपद्धत्यनुसारीणि)
४–१२ सूक्तानि।

अथवा

शुक्लयजुर्वेद रुद्राष्टाध्याय्या ४-५ अध्यायाः।

अथवा

कृष्णयजुर्वेद रुद्राध्यायस्य २-४ अनुवाकाः।

अथवा

सामवेदे आरिष्टवर्गः वैनायकी संहिता च।

२. ज्योतिषम्

अष्टम प्रश्नपत्रम् पूर्णांक १००

प्रथम वर्षे

पाठ्य पुस्तकम् : बृहदवकहडाचक्र राशीश प्रकरण पर्यन्तम्।

द्वितीय वर्षे पूर्णांक १००

पाठ्यपुस्तकम् : बृहदवकहडाचक्र -- सर्वविचार प्रकरणम्।

तृतीय वर्षे पूर्णांक १००

पाठ्यपुस्तकम् । बृहद् अवकहडाचक्रम् दिशः विदिशश्च प्रकरणात् जन्मपत्र लेखन पर्यन्तम्

—:o:—

तृतीय वर्ष:

(पंचम प्रश्न पत्र अनिवार्य विषय हिन्दी)

समय 3 घन्टे : पूर्णाङ्क 100

यह प्रश्न पत्र 100 अंकों एवं 3 घन्टे का होगा।

[क] पाठ्य पुस्तक 60

बाल भारती (कक्षा 7) सम्पादक—डा० भगवती प्रसाद शुक्ल
(मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम)

[ख] व्याकरण 25

क्रिया भेद और क्रिया विशेषण, कारक और विभक्ति, क्रिया द का ज्ञान तथा पर्यायवाची शब्द।

[ग] निबन्ध (वर्णनात्मक) 15

सहायक पुस्तकें—

1. हिन्दी, अपठित तथा रचना-लेखक महावीर प्रसाद अग्रवाल
पुष्पराज प्रकाशन बस स्टैंड, रीवा

2. व्याकरण ज्योत्सना भाग-2 लेखक: श्री करुणापति त्रिपाठी

तृतीय वर्ष:

(पंचम प्रश्न पत्र, अनिवार्य विषय हिन्दी)

समय 3 घन्टे पूर्णाङ्क 100

यह प्रश्न पत्र 100 अंकों एवं 3 घन्टों का होगा।

[क] पाठ्य पुस्तक 60

बाल भारती (कक्षा 8) सम्पादक श्री गणेशदत्त चतुर्वेदी
(मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम)

[ख] व्याकरण – 20

विलोमवाची और पर्यायवाची शब्द वर्तनी और वाक्यों की अशुद्धियां मुहावरे और कहावतें, पत्र लेखन।

[ग] निबन्ध— 20

सहायक पुस्तकें— (1) हिन्दी अपठित तथा रचना—

महावीर प्रसाद अग्रवाल
पुष्पराज प्रकाशन, बस स्टैंड, रीवा।

(2) व्याकरण ज्योत्सना भाग-1

करुणापति त्रिपाठी
(हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी)

अनिवार्य विषय : सामाजिक अध्ययनम्

षष्टम प्रश्न पत्र (   ) पूर्णांक १००

प्रथम वर्ष :

[क] इतिहास खंड (आदि कालीन भारत से हर्ष वर्द्धन तक)

1. सिन्धु घाटी की सभ्यता।
2. वैदिक काल जीवन।
3. जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म।
4. सिकन्दर का आक्रमण।
5. मौर्य साम्राज्य।
6. शुंग सातवाहन एवं कुषाण वंश।
7. गुप्त साम्राज्य।
8. हर्ष वर्द्धन
9. दक्षिण भारत के राज्य।
10. राजपूतों की उत्पत्ति शासन व्यवस्था एवं जन जीवन।

पाठ्य पुस्तक—सामाजिक अध्ययन कक्षा-6

सत्यनारायण दुबे

(मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम)

(ख) भूगोल

1. भौतिकी पृथ्वी का अकार, गतियां ऋतु-परिवर्तन, दिन-रात मानचित्र का सामान्य ज्ञान।
2. स्थानीय भूगोल-बाजार व मेले, गांवो कस्बों तथा नगरों का सम्बन्ध, विशेष फसलें एवं उद्योग।
3. भारत वर्ष-स्थिति सीमा, विस्तार, प्राकृतिक बनावट, जलवायु प्राकृतिक वनस्पति, कृषि, उद्योग यातायात, व्यापार, पंचवर्षीय योजनायें, जनसंख्या एवं प्रमुख नगर।

सहायक पुस्तकें :

1. प्रारम्भिक भूगोल, ले० कु० सुमन वर्मा
2. देश विदेश भाग 1, ले०—गुलाबचन्द्र कवकड़, प्र० नेशनल प्रेस, इलाहाबाद।

(नागरिक शास्त्र

1. नगर तथा जिला की शासन -व्यवस्था का अध्ययन।
2. नगरपालिका एवं जिला परिषद, संगठन तथा कार्य।
3. ग्रामीण समस्याएं तथा उनका समाधान।
4. ग्राम सभा तथा ग्राम पंचायत संगठन एवं कार्य
5. स्थानीय एवं राष्ट्रीय पर्व।

सहायक पुस्तकें—

1. संक्षिप्त सामाजिक ज्ञान, ले०-श्री जगदीश सहाय विसारिया।
2. हमारा इतिहास भाग 1, ले० रामचरण विद्यार्थी प्र०-शंकर प्रकाशन, अलीगढ़।

सामाजिक अध्ययन कक्षा 6 एवं 7 म० प्र० पाठ्य पुस्तक निगम।

द्वितीय वर्ष :

(क) इतिहास खंड :

1. भारत पर मुस्लिम आक्रमण।
2. दिल्ली के सुल्तान (1206 ई० से 1526 ई०)

अनिवार्य विषयः सामाजिक अध्ययनम्

षष्ठम प्रश्न पत्र पूर्णांकः १००

प्रथम खंडः

इतिहास खंड– आदि कालीन भारत से हर्षवर्द्धन तक।

[१] इतिहास जानने के स्रोत।
[२] सिन्धु घाटी की सभ्यता।
[३] वैदिक काल का जीवन।
[४] जैन धर्म एवं बौद्ध धर्म।
[५] सिकन्दर का आक्रमण।
[६] मौर्य साम्राज्य।
[७] शुंग सातवाहन एवं कुषाण वंश।
[८] गुप्त साम्राज्य।
[९] हर्ष वर्द्धन
[१०] दक्षिण भारत के राज्य।
[११] राजपूतों की उत्पत्ति-शासन व्यवस्था एवं जन जीवन।

पुस्तक सामाजिक अध्ययन कक्षा-६
[मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम]

(ख) भूगोल

(१) भौतिक पृथ्वी का आकार, गतियाँ, ऋतु- परिवर्तन, दिन-रात, मानचित्र का सामान्य ज्ञान।

(२) स्थानीय भूगोल—बाजार व मेले, गाँवों कस्बों तथा नगरों का सम्बन्ध, विशेष फसलें एवं उद्योग।

(३) भारतवर्ष स्थिति, सीमा, विस्तार, प्राकृतिक बनावट, जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, कृषि, उद्योग, यातायात, व्यापार, पंचवर्षीय योजनायें जनसंख्या एवं प्रमुख नगर।

सहायक पुस्तकें-

१– प्रादेशिक भूगोल, ले०—कु० सुमन वर्मा।

२ देश विदेश भाग १, ले० गुलाबचन्द्र कक्कड़, प्र०-नेशनल प्रेस, इलाहाबाद।

(ग) नागरिक शास्त्र

१- नगर तथा जिला की शासन-व्यवस्था का अध्ययन।
२- नगर पालिका एवं जिला परिषद, संगठन तथा कार्य।
३- ग्रमीण समस्याएँ तथा उनका समाधान।
४- ग्राम सभा तथ ग्राम पंचायत संगठन एवं कार्य।
५- स्थानीय एवं राष्ट्रीय पर्व।

सहायक पुस्तकें—

१-संक्षिप्त सामाजिक ज्ञान, ले०—श्री जगदीश सहाय बिसारिया।
२- हमारा इतिहास, भाग १, ले०—रामचरण विद्यार्थी प्र० शंकर प्रकाशन अलीगढ़।
सामाजिक अध्ययन कक्षा ६ एव ७ म०प्र पाठ्य पुस्तक निगम

द्वितीय खण्डः

इतिहास खंडः

१- भारत पर मुस्लिम आक्रमण।
२- दिल्ली के सुल्तान(१२०६ ई० से १५०६ ई०)
३– सल्तनत काल की शासन व्यवस्था एव जनजीवन।
४– सूफी सन्त एवं भक्ति कवि।
५– मुगल साम्राज्य (१५२० ई० से १६८७ ई०)
६– मुगल काल की शासन व्यवस्था एवं जनजीवन।
७– मराठा राज्य।

पुस्तक

समाजिक अध्ययन कक्षा ७।
मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम।

[illegible]गोल

[illegible]तिक-[illegible] एवं [illegible]न्तर रेखा, ग्रहण, धरातल के प्रकार, [illegible]वायु, [illegible] मौस[illegible]

[illegible]या-[illegible], सीमा [illegible]विस्तार प्राकृतिक बनावट, जलवायु [illegible]तिक [illegible]ति, [illegible] मुख्य उद्योग, यातायात, व्यापार एवं [illegible]रगाह, [illegible]र एवं [illegible] संख्या।

[illegible]की [illegible]एँ, [illegible] के विभिन्न भागों के खोज की कुछ [illegible]क [illegible]यां-[illegible]म्बस, वास्कोडिगामा तथा उसकी [illegible]द्रिक [illegible]एँ।

[illegible] पु[illegible] —

[illegible] विदे[illegible] र, [illegible]-गुलाबचन्द्र कक्कड़, प्र०-नेशनल प्रेस इलाहाबाद।

[illegible]रम्भिक [illegible]गोल, [illegible]-कुमारी सुमन वर्मा।

[illegible]गरिक [illegible]स्त्र

[illegible] प्रदे[illegible] के सन्द[illegible] में भारतीय संघ के राज्यों का [illegible], रा[illegible] मन्त्रि[illegible]ण्डल, व्यवस्थापिका सभा, निर्वाचन [illegible]ताधि[illegible]।

[illegible] सर्वो[illegible] न्यायालय, हाई कोर्ट, जिला [illegible]य।

[illegible]तीय [illegible]न की कुछ समस्याएँ—निरक्षरता, निर्धनता, [illegible]ता [illegible]णाली, सामाजिक प्रथाएँ।

[illegible]यक पुस्त[illegible] —

१-संक्षि[illegible] सामा[illegible] ज्ञान, द्वितीय खण्ड, -ले० श्री जगदीश सहा[illegible]सारिया [illegible]

२—हमारा इतिहास भाग, २, ले०—रामचरण विद्यार्थी, शंकर प्रकाशन अलीगढ़।

सामाजिक अध्ययन कक्षा ८ म० प्र० पाठ्य पुस्तक निगम।

तृतीय खण्डः

इतिहास खण्ड

१—भारत में विदेशी शक्तियों का आगमन।
२—बंगाल बिहार में अंग्रेजी सत्ता का विकास।
३—क्लाइव से डलहौजी तक अंग्रेजी सत्ता विकास।
४. १८५७ का का राष्ट्रीय स्वतन्त्रता संग्राम।
५ राष्ट्रीय अन्दोलन का इतिहास।

पुस्तक—

सामाजिक अध्ययन कक्षा ८।
मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम।

(ख) भूगोल

[१] भौतिकी—भूकम्प, ज्वालामुखी, नदी, वायु एवं हिम के कार्य, चट्टाने, सामुद्रिक धारायें, ज्वार-भाटा।

[२] विश्व-महाद्वीप और महासागर, महाद्वीपों का अध्ययन, स्थिति, सीमा, विस्तार प्राकृतिक बनावट, जलवायु, प्राकृतिक वनस्पति, कृषि उद्योग, यातायात, व्यापार एवं बन्दरगाह, मुख्य नगर, जनसंख्या, विश्व के वृहत प्राकृतिक खण्ड।

[३] प्रायोगिक भूगोल मापक का अध्ययन, वर्षा, वायु दाब, ताप मापक यन्त्र समताप तथा समभार रेखाए भारत, एशिया विश्व के मान पर पहाड़ों, नदियों मुख्य नगरों बन्दरगाहों तथा प्रमुख उद्योग केन्द्रों का प्रदर्शन।

...ल ले०—कुमारी सुमन वर्मा।

विदेश ...ाग, 3, ले०—गुलाबचन्द्र कक्कड़।

नेशनल प्रेस इलाहाबाद।

३३

...न्तर्गत स्वीकृत मौलिक अधिकारों का

...का संक्षिप्त परिचय।

...वस्था, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, मन्त्रि-

विधान ...भा,

...द्रीय ...न्ति-संगठन, संयुक्त राष्ट्र-संघ तथा

...शाखाएं

...गांधी ...र उनका आध्यात्मिक प्रभाव।

...के—

१. ...क्षिप्त सा...जिक ज्ञान, तृतीय खण्ड, ले०—श्री जगदीश

...य विस...रना।

२. ...रा ...हास भाग १, ले०—रामचरण विद्यार्थी,

...शंकर प्रकाशन अलीगढ़।

अथवा

गणितम्

प्रथम वर्ष — पूर्णाङ्कः १००

अंकगणित · दशमलव भिन्न — योगादि नियमचतुष्टय, दशमलव भिन्नों का साधारण तथा भिन्नों को दशमलव भिन्न में रूपान्तरित करना।

बीज गणित के संकेत। स्थानापत्ति। बीज गणितीय अंक गणित कोष्ठ सरलीकरण।

१. रेखा गणित—कोण, उनके भेद नापना तथा उनका निर्माण पटरी, गुनिया तथा परकार का प्रयोग। नापने द्वारा निम्नलिखित ज्ञात या प्रकट करना।

(१) आसन्न कोणों तथा एक विन्दु पर बने कोणों के गुण।

(२) सम्मुख कोण तुल्य होते हैं।

(३) त्रिभुज के तीनों कोणों का योग दो समकोणों के तुल्य होता है।

(४) त्रिभुज की भुजाओं तथा भुज सम्मुख कोणों का परस्पर सम्बन्ध। समानान्तर रेखाओं का निर्माण रचना द्वारा त्रिभुजों की समरूपता का ज्ञान पैमाना (Scale Drawing) द्वारा रचना। रचना द्वारा त्रिभुजों की अनुरूपता की निम्नलिखित स्थितियों का प्रदर्शन—

अ. जब तीनों भुजायें तुल्य हों।

ब. दो भुजायें तथा अन्तर्गत कोण हो।

स. एक भुजा तथा दो कोण तुल्य हो।

स[illegible] पुस्त[illegible] :

अंक ग[illegible] भाग १ मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्यक निगम द्वारा प्रकाषित कक्षा ८ की गणित।

रेखाग[illegible] भाग १ मध्य प्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा प्रकाषित कक्षा ८ की गणित।

[illegible] वर्ष: पूर्णाङ्क १००

[illegible] गणित [illegible] वर्गों तथा आयतों के क्षेत्रफल। सूत्र द्वारा वृत्त [illegible] तथा क्षेत्रफल। लाभ हानि के सरल प्रश्न-पत्र। आय[illegible] घन[illegible] आयतन तथा घनमूल। सरल क्षेत्रपजी।

[illegible] —दो आरतवर्गों के युगपत् समीकरण तथा उन पर [illegible]रित [illegible] प्रश्न। सरल आलेख (Graphs)

[illegible] गणि[illegible] —निम्नलिखित प्रमेयों की उपपत्तियां (उन पर [illegible] सरल [illegible]न रहेंगे—

(क) त्रि[illegible] के तीनों अन्तः कोणों का योग दो समकोण के तु[illegible] होता है, तथा बहिष्कोण किसी भी एक अन्त. को[illegible] से बड़ा होता है।

(ख) स[illegible]बाहु त्रिभुज के आधार के कोण परस्पर तुल्य हो[illegible], इसका विलोम;

(ग) त्रि[illegible] में बृहद् भुज सम्मुख कोण लघुभुज सम्मुख को[illegible] की अपेक्षा होता है, इसका विलोम।

(घ) सम[illegible]ान्तर चतुर्भुज की सम्मुख भु[illegible]ायें तथा सम्मुख को[illegible] तुल्य होते हैं। समानांतर चतुर्भुज का विकर्ण उसे दो [illegible] भागों में विभक्त करता है और स[illegible]नांतर चतुर्भुज के विकर्ण एक दूसरे को स[illegible]द्विभाजित करते हैं, इसका विलोम।

(ङ) दो सम तथा समान्तर रेखाओं के छोरों को एक ही दिशा में मिलाने वाली सरल रेखायें परस्पर सम और समानांतर होती हैं।

सहायक पुस्तकें :

१. अंक गणित भाग २ म० प्र० पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा प्रकाशित कक्षा ७ की गणित।

२. रेखा गणित भाग २ म० प्र० पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा प्रकाशित कक्षा ७ की गणित।

तृतीय वर्ष : पूर्णाङ्क १००

अंक गणित ऐकिक नियम के कठिन प्रश्न सरल व्यवहार गणित। साधारण ब्याज (महाजनी गुर) निष्पत्ति तथा अनुपात।

बीज गणित—सरल योगादि नियम चतुष्टय। एक अज्ञातवर्ण के सरल समीकरण तथा उन पर आधारित सरल प्रश्न।

रेखागणित—रचना द्वारा ऊँचाइयों तथा दूरियों (Hieght & distance) का ज्ञान, पटरी तथा परकार की सहायता से निम्नलिखित रचना करना—

[क] सरल रेखा का समद्विभाजन।

[ख] कोण का समद्विभाजन।

[ग] सरल रेखा स्थित अथवा बहिर्गत बिन्दु से सरल रेखा पर लम्ब डालना।

[घ] निर्दिष्ट कोण के तुल्य कोण निर्माण करना।

[ङ] ६०°, ४५° तथा ३०° के कोणों का निर्माण।

[च] किसी निर्दिष्ट बिन्दु से किसी निर्दिष्ट रेखा के समानान्तर रेखा खींचना।

[छ] सरल रेखा को बहुत से तुल्य भागों में बांटना।

विज्ञानम्

प्रथम वर्षः पूर्णाङ्क १००

निम्नलिखित विषयों का सामान्य ज्ञान—

द्रव्य और द्रव्य के साधारण गुण, द्रव्य की अवस्थायें [भौतिक तथा रासायनिक] लम्बाई की इकाई, लम्बाई नापना।

तोल, वस्तु की तोल निकालना, साधारण तुला ज्ञान।

लीवर, लीवर के प्रकार, घिरनी, दैनिक जीवन में इसके कुछ उपयोग वायुमण्डल की बातें [भौतिक तथा रासायनिक गुण], वायुमण्डल का दबाव, शुद्ध तथा अशुद्ध वायु, वायु का आगमन तथा उपयोगिता।

उष्मा, उष्मा के स्त्रोत तथा उष्मा का संचरण।

प्रकाश, प्रकाश का स्त्रोत, प्रकाश का सरल रेखा में गमन, सूची क्षेत्र कमरा चुम्बक के कुण, चुम्बकीय पदार्थ।

घर्षण विद्युत उसके गुण [चुम्बक की भांति आकर्षण विकर्षण आदि और प्रकाश, आकाश की विद्युत, फ्रैंकलिन का प्रयोग।

जल प्रकृति का सबसे बड़ा घोलक, शुद्ध तथा अशुद्ध जल साफ़ करने की प्रक्रिया, पदार्थों का साधारण गुण जांच करना।

लोह तथा चुम्बक के उदाहरण।

विभिन्न श्रेणी के जीवों [प्राणी तथा वनस्पति] के विषय में सामान्य ज्ञान। मेरुदण्डधारी जीव—मछली का साधारण ज्ञान।

कुछ हानिकारक प्राणी, किसानों के मित्र और शत्रु बिना रीढ़ वाले प्राणी—केचुआ, तितली, बिच्छो आदि।

मनुष्य से शशीर के विषय में सामान्य ज्ञान, शरीर के भिन्न-भिन्न अंग प्रत्यग तथा उनके विषय में साधारण ज्ञान।

ध्रुवतारा एवं सप्तर्षि मण्डल।

परमाण रचना केन्द्रक प्रोटान, न्यट्रान, एलेक्ट्रान।

र्ष: पूर्णाङ्क 100

मान्य ज्ञान)

नियम (न्यूटन के सिद्धांत)

का परि वेग वेग (मोमेण्टम) गुरुत्वाकर्षण

दैनि यन के साधारण यंत्र।

डाई साइड आक्सीजन का अध्ययन, चूने

पह मो के जलने पर आक्सीजन का

रचन, स का तै शक्कर तथा वस्तु के जलने पर

लना।

रमर खड़ि रा गैस तैयार करना। आग

मश सोडाव , कार्बन डाई आक्साइड से

द्वारा त की तै , कार्बन डाई आक्साइड एवं

जन की)

गशाल आवर का उत्पादन, उसके गुणों का

था ल

, घो के रूप पानी, घुलने में द्रव्य नष्ट नहीं

ने पर का प्र , संतृप्त तथा असंतृप्त घोल, पानी

वाली एं अन्य लक, द्रव्य एवं गैसों का घुलना,

ता प प का प्र , रवे बनाना, रवों पर ताप का

ना बो रवे ब , तूतिया या फिटकिरी का बड़ा

ना।

का प रवे प का प्रभाव, सूती, रेशमी तथा

डों पर दाग औ धब्बे दूर करना। चिकनाई मशीन

, खून के धब्बे, नी स्याही के धब्बे, लाल स्याही के

आयोड के धब्बे, वार्निश के धब्बे, जङ्ग के धब्बे,

ल के ध फल औ स के धब्बे।

सूती कप की धुला ।

हमारे शरीर की रचना, मल विसर्जन, अङ्ग, गुर्दे तथा फेफड़ों से बिसर्जन, त्वचा से विसर्जन, बृहत् अन्त्र मलाशय द्वारा बिसर्जन, यकृत का कार्य।

जूं और खटमल तथा उससे रक्षा।

पाधों की जातियां, पौधों से मनुष्य को लाभ।

पत्तियां उनकी उपयोगिता पत्तियों के बिभिन्न अंग, भूमि की उर्वरा शक्तियों का प्रयोग।

राशियों और तारों का अध्ययन।

सहायक पुस्तकें :

१. जनरल साइंस रीडर द्वितीय भाग। ले० डा० सत्यप्रकाश
२. प्रारम्भिक विज्ञान और प्राकृतिक निरीक्षण। ले० मनोहर लाल भार्गव तथा श्रीगङ्गाधर भार्गव।

तृतीय वर्ष: पूर्णाङ्क १००

द्रव्य, मात्रा और भार, कमानीदार तुला, भौतिक तुला, लीवर के सिद्धांत, आयतन सुडौल तथा बेडौल वस्तुएं।

घनत्व तथा आपेक्षित घनत्व, किसी ठोस वस्तु का घनत्व निकालना, द्रव का भार, घनत्व, आपेक्षित घनत्व, आर्कमिडिस का सिद्धांत, उत्प्लावन बल, आर्कमिडिस के सिद्धांत से किसी वस्तु का आपेक्षिक घनत्व निकालना।

बैरोमीटर (वायु चाप मापक) साधारण बैरोमीटर बनाना।

थर्मामीटर, थर्मामीटर बनाना, तापक्रम के स्केल फार्नहाइट सेन्टग्रेडी, रियूमर उष्मा के प्रभाव।

प्रकाश परावर्तन तथा वर्तन के नियम, बहुदर्शक यन्त्र, समतल तथा नतोदर दर्पण।

ा कि प्रारं सेल विद्युत धारा के चुम्बकीय

के द नियं तैरने की क्रिया, नाव, निकलसन
र, मीटर

ा की ई के ा ऊष्मा का प्रभाव तथा परिवर्तन,
परि (वि) गुप्त ताप परिभाषा।

ाश व की भाषा, वर्तनांक निकालना, पूर्ण
नरी लैंस के र. लैंस का उपयोग।

क.क ा रेखा चुम्बक के अन्य उपयोग, विद्युत
चुम्ब ाना, ुत धारा की रासायनिक क्रिया
रा ापीय ाव, विद्युत दर्शक, विद्युत घन्टी,
ा बल

ि का ादन संचरण ध्वनि का रूप।
अम्ल क्षा ास्टिक सोडा, कास्टिक पोटाश
चूने पानी हाइड्रोक्लोरिक अम्ल, सल्फ्यूरिक
इट्रि ल, म तथा कठोर जल, रासायनिक गुण,
अ कठो तथा उनका निराकरण सामान्य
डियम ोराइड नाईट्रेट आदि। धातुएं धातुओं के
गुण उनके ोग, मिश्र धातुओं के साथ स्वर्ण,
त प ा जि ोशा, टीन, लोहा एवं इस्पात तथा
विष ाधार व्यावहारिक ज्ञान।

प्रद ानिप्र ीवाणु और उनसे लाभ, हानिप्रद
वं उ बचने पाय। घर के कीड़े मकोड़े, मक्खी
खटम स्नु ते ठा तथा उनके बचने के उपाय।
ानव श स्नायु एवं प्रत्येक का कार्य।

परागण स्वयं तथा पर परागण के विभिन्न उपाय तथा लाभ फूल के विषय में साधारण ज्ञान, विभिन्न प्रकार के फल तथा उनका वर्गीकरण।

सौर मण्डल—सूर्य, चन्द्र पृथ्वी, मङ्गल आदि सप्तर्षि मण्डल विद्युत के विषय में साधारण ज्ञान।

सहायक पुस्तकें :

१. जनरल साइंस रीडर तृतीय भाग। ले. डॉ. सत्यप्रकाश
२. प्रारम्भिक विज्ञान और प्राकृतिक निरीक्षण भाग १-२ ले० श्री मनोहरलाल भार्गव तथा श्री गङ्गाशरण भार्गव।

—:०:—

अथवा

वै... ैपक विषयः संगीतम्

[कण्ठ संगीत]

प्रथमा प्रथम वर्ष

पूर्णाङ्क १००

...६० सैद्धांतिक, ४० प्रायोगिक

प्रायो... ...(गाय... सितार, तबला के लिए)
आ... ...द्यों--

... सप्त ... ज्ञान एवं उनकी पहचान।

... दस ... अलंकार।

... राग ...िलावल एवं यमन में एक-एक छोटा ख्याल या द्रु... या तीन ताल या ताल कहरवा में।

... ताल, ... माल, कहरवा का सम खाली, ताली का ज्ञान

सै... ...क-... अंक

निम्न...खित को परिभाषाएं :-

[१] ...त [२] लिपि पद्धति [३] आरोह

[...] ...रोह मंद्र, मध्य तथा तार सप्तक, मात्रा, ताल

ताली ... पाठ्यक्रम के लिखने का अभ्यास।

पाठ्... के रागों का परिचय।

प्रथमा द्वितीय वर्ष

प्रायोगिक अंक=४०

(गायन, सितार, तबला आदि वाद्यों के लिए)

१. चार स्वरों के पाँच अलंकार।
२. राग समाज भूपाली में एक-एक छोटा ख्याल या द्रुत या रजाखानी रात।
३. ताल झपताल तीन ताल, रूपक, कहरवा।
४. समताली, खाली ठेका, दून मात्रा ताल।

सैद्धान्ति अंक=६०

५. नाद के प्रकार।
६. संगीत के १२ स्वरों की अभ्यास विधि।
७. तालों को ठाह, दुगन में लिखना।

प्रथमा तृतीय वर्ष

पूर्णाङ्क १००

प्रायोगिक अंक--४०

(गायन, सितार, तबला आदिवाद्यों के लिए)

१. बारह स्वरों को सुनकर पहचानना।
२. सरगम को अकार नाद में गाना।
३. राग, काफी, भैरवी में एक एक छोटा ख्याल किसी भी ताल में या द्रुतगत।
४. ताल एक ताल तीन ताल, चार ताल का ठेका तथा दून

क अंक—६०

निम्नांकित परिभाषिक शब्दों की व्याख्या :—
पकड़ (२) सम (३) तिहाई (४) मात्रा, ताल ठेका।

पाठ्यक्रम के रागों का परिचय।
संगीत लिपि पद्धति में छोटा ख्याल लिखना।

पुस्तकें :
संगीत शास्त्र भाग। ले०-महेश नारायण सक्सेना
संगीत शास्त्र दर्पण, भाग १। ले० शान्तिगोवर्धन
हिन्दुस्तानी संगीत पद्धति ले०-विष्णुनारायण भातखण्डे।

अथवा

वाद्य संगीत (सितार)

प्रथम वर्ष: पूर्णाङ्क १००

प्रायोगिक अंक ४०

१. वाद्य की बैठक का ज्ञान।
२. दस सरल अलंकारों को ठाह में बजाने का अभ्यास।
३. कुछ सरल अलंकारों को दुगुन में बजाने का अभ्यास।
४. दा दिर दा रा का साधारण ज्ञान।
५. राग यमन में चार सरल अलंकारों का बजाने का अभ्यास।
६. त्रिताल तथा दादरा ताल को हाथ से ताली देते हुए ठाह लय में बोलने का अभ्यास।

सैद्धान्तिक (लिखित प्रश्न-पत्र) अंक ६०

निम्नलिखित शब्दों की परिभाषा :—

१. संगीत अलंकार, आरोह, अवरोह, ताल।
२. अलंकार एवं गतों को स्वरलिपि में लिखने का अभ्यास।
३. पाठ्यक्रम के रागों का साधारण परिचय।
४. सितार का चित्र बनाकर उसके अंगों का वर्णन एवं उपयोगिता।

वर्ष पूर्णाङ्क १००

— अंक ४०

दस ... अलंकारों को ठाह तथा दुगुन में बजाने का अभ्यास

कुछ ...ारों का दा दिर दा रा-दा दिर दिर दिर इस ... के आधार पर बजाने का अभ्यास।

राग ... में सिर्फ रजाखानीगत, साधारण तान तोड़ों ...त।

...ीन ... झप्ताल इन तालों के बोलों को ताला देते हुये ठ...था दुगुन लय में बोलने का अभ्यास।

पिछले ...ों के अलकारों तालों तथा रागों का अभ्यास आवश्... है।

...क (लि...त प्रश्न पत्र) अंक ६०

...वर्ष ...मस्त पारिभाषित शब्द तथ निम्नलिखित]

...स्वर-... वादी-संवादी-गत-मोड़।

पाठ्य... के रागों का साधारण परिचय।

गतों ... अलंकारों की स्वर लिपि में लिखने का अभ्यास

पाठ्य... के तालों को ठाह दुगुन में लिखने का अभ्यास

तृतीय वर्षः

पूर्णाङ्क १००

प्रयोगिक— अंक : ४०

[गत वर्षो का समस्त पाठ्यक्रम सम्मिलित है तथा निम्नलिखित है]

१. राग यमन तथा राग समाज में एक एक माध्यलय की गत, कुछ अच्छे तान तोड़ो सहित।
२. राग काफी की एक मध्यलय की गत तान तोड़ सहित। एक ताल चार ताल कहरवा इन ताला के वोलों को हाथ से ताली देते हुए ठाह तथा दुगुन में बोलने का अभ्यास।

सैद्धांतिक (लिखित प्रश्न पत्र)

अंक : ६०

[पूर्व पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं तथा निम्नलिखित]

१. श्रुति अलाप-झाला-राग-पकड़-आश्रय राग-थाट, वर्ण-स्वर ..., बाज गमक घसीट, जाति, ठेका स्थायी।
२. पाठ्क्रम के समस्त रागों का राग वर्णन।
३. लिखित स्वर समूहों द्वारा राग पहचानने का अभ्यास।
४. गतों को स्वरलिपि में लिखने का अभ्यास तथा तालों को ठाह दुगुन में लिखने का अभ्यास।
५. श्रीभातखण्डे तथा श्री पलुस्कर की संक्षिप्त जीवनी।

सहायक ग्रन्थ :

कण्ठ-संगीत के समान।

वाद् संगीत (तबला)

पूर्णाङ्क १००

अंक:४०

न-प्रत्येक मात्रा पर ताली देते हुए लय की
ा दिखल ा।
निम्नलि ित बोलों को निकालना।
, तेरे, िरकिट, तूना कत्ता, धिन, तिन,
का।
ान त्रित , झपताल, तथा दादरा को हाथ से
कर ठाह य में बोलना तथा तबला पर बजाना
ताल मे क सरल मुखड़ा तथा दो कायदा

(ि ित प्रश्न)

अंक:६०

खित पा ाषिक शब्दों की व्याख्या करना
ात्रा, का ा, मुखड़ा, ठाह तथा सम
ा का ि उनाकर उसके अंगों को बतलाना।
त्रिताल ताल तथा दादर कोताललिपि में
।

अंक:४०

न-प्रत्येक ात्रा पर ताली देकर अंकों की
से ठाह र द्विगुण लयों को दिखाना।
निम्नलि बोलों को बजाना।
ी, ी, ा ा, का, धा किटकत, गदगिन, धा,
तू ।
ाल ज्ञान- त । एकताल, तथा कहरवा को हाथ से

ताली देकर ठाह लय में बोलना तथा तबला पर बजाना।
ताल त्रिताल में मुखड़ा एक टुकड़ा चार कायदा बजाना।

सैद्धांतिक (लिखित प्रश्न पत्र) अंक:६०

१. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों को व्याख्या लय, ताल ताली, विभाग खाली, ठेका टुकड़ा।
२. तबला के अंगों को चित्र द्वारा समझना
३. पाठ्यक्रम में आये तालों ठाह लय में लिखना।
४. ताल- त्रिताल के मुखड़ा, टुकड़ा तथा कायदा को ताल लिपि में लिखना।

तृतीय वर्ष:

प्रायोगिक अंक:४०

१. लयज्ञान-अंको की सहायता से दुगुन तथा चौगुन लयों को दिखाना। हाथ से ताली देकर लय को स्थिरता दिखाना।
२. बायें तथा दाहिने हाथ से वादन की विधियां तथा उनसे उत्पन्न शब्दों का ज्ञान।
३. तालज्ञान-ताल त्रिताल, झपताल, एक ताल तथा दादरा की ठाह और द्विगुण लयों में बजाना। ताल-त्रिताल तथा ताल झपताल में सुन्दर मुखड़ा, टुकड़ा और कायदा आदि बजाना।

सैद्धांतिक (लिखित प्रश्न पत्र) अंक:६०

१. निम्नलिखित पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या करना

लय [illegible]म्बित मध्यद्रुत] ताल मात्रा आवर्तन, विभाग
ठेका [illegible]लो खाली सम, तिहाई दुगुन।

[illegible] दाहिने हाथ से बजने वाले शब्दों का ज्ञान।
तब[illegible] संक्षिप्त इतिहास जानना।

पाठ्[illegible]म में आये तालों कोताललिपि में लिखना।
पाठ्[illegible]म में आये टुकड़ा, कायदा, तिहाई आदि को
ताल[illegible]पि में लिखना।

पुस[illegible]

[illegible] समान। केवल तबले पर अन्य पुस्तकें भी
[illegible]मल[illegible]।

अथवा

गृह विज्ञान

(केवल बालिकानां कृते)

[illegible]र्ष:

अंक: ६०

[illegible] [illegible]स्थ्य-शरीर की स्वच्छता, मानसिक स्वास्थ्य [illegible] [illegible]रिवार तथा विद्यालय के लोगों के प्रति [illegible]हार

-[illegible] [illegible]

[illegible] में [illegible] का सूक्ष्म वर्णन।

[illegible]ड़ों के [illegible] में सफाई को बादले तथा उन्हें उचित ढंग [illegible]खने [illegible]विधि।

प्रायोगिक— अंक: ४०

१. मिट्टी से घर का माडल बनाना।

२. सिलाई—रूमाल बनाना।

३. दस्तकारी।

द्वितीय वर्ष :

सैद्धांतिक— अंक: ६०

१. स्वास्थ्य विज्ञान—पानी, वायु, दूध, भोजन। भोजन—उसकी देखभाल चौका। उचित ढंग से भोजन परसने की व्यवस्था, भारती तथा विदेशी शैली से भोजन पकाने की विविध विधियां। भोजन को गन्दगी से बचाने के ढङ्ग। बर्तनों की सफाई।
२. घर-घर की सफाई, देहात व शहर के मकान, कूड़ा कर्कट, मलमूत्र, सफाई न रखने से हानियां।
३. कपड़ों की देख भाल—रेशमी तथा ऊनी कपड़ों की विशेष देख भाल, कपड़ों की धुलाई, ऊनी, सूती, रेशमी, नाइलोन, टेरिलीन, डक्रान।
४. विभिन्न दाग, धब्बों को छुड़ाने की विधियां।

प्रायोगिक— अंक: ४०

१. धुलाई—कपडों की।
२. सफाई—घर की।

ाई या, काज बनाना, पैबन्द, रफू करना।

ा, घ ुड़ाना।

तृती :

सिद्धा

अंक ६०

जावट य को दृष्टि में रखते हुए। देहात व शहर

ानों के मकानों की सजावट।

कोड़े यों, नष्ट करने का ढंग।

य-

ार, स तथा विद्यालय में शिष्टाचार।

के भूमि का चुनाव, बचत के विभिन्न

।

अंक : ४०

प्राय -

ालाई ोला, अवला।

ढ़ाई सया, गिलाफ, मेजपोश, रूमाल काढ़ना।

च्चो ड़ों की कढ़ाई।

ुनाई च्चों के सेट, औरतों के स्वेटर या ब्लाउज।

िलाई टीकोट, ब्लाउज, फ्राक।

ुचना पड़े का खाका व पैमाना लिखित होना

ावश्य ौर कपड़े की कटिंग कागज पर होनी

आवश्य है।

५. भोजन : बालक स्त्रियों एवं पुरुषों का संतुलित आहार, दाल चावल, रोटी, तरकारी, पुड़ी, कचोड़ी, हलुआ तथा दो प्रकार की मिठाई, सागों वाली तरकारी व दाल का रूप।

सहायक पुस्तक :—

सरल गृह विज्ञान, भाग १, एस० पी० मुखिया तथा जो० पी० शेरी शिवलाल अग्रवाल एण्ड कम्पनी, आगरा।

—:०:—

ऐच्छिक अतिरिक्तो विषयः

अंग्रेजी

प्रथ ... ङ्कः १००

1. ... Prathama part I II and III the book of ...glish Reader Classes VI, VII and VIII pub...ed by M. P' Text Book Corporation, ...opal is adopted as text book reepectively.
2. ...r textual study the first 15 lessons from ...e qrose section and the five poems (Total ... lessons is proscribed for each class.)
3. ...here shall be one paper of 100 marks for ...ach class. The break up of marks for final ...xaminations will be as follows.

( ) Text 60 marks

[i] Short answer questions.
[ii] Essay-type-answer questions.
[iii] Use of works, formation of words.

Grammar 25 marks

Simple Parts of speech : Nouns pronouns, adjectives, verbs.

) Composition 15 marks

Translation of simple sentences (from Hindi into English)

...ote—Questions for the final exam [i. e. Prathama part III] will be asked from the Course prescribed for the final year only.

६. पाठ्यक्रम के रागों का परिचय।

७ पिछले तालों को दून में लिखना।

८ संगीत की उत्पत्ति।

१०- गृह विज्ञानम्

[केवल बालिकानां कृते]

प्रथम प्रश्नपत्रम् — पूर्णांक ५०

सैद्धान्तिक प्रश्न पत्र — ३० अंक

शरीर-विज्ञान, श्वास प्रक्रिया, रचना। मानव शरीर-रचना पाचन संस्थान, श्वास संस्थान, रक्त सचालन, उत्सर्जन संस्थान

स्वास्थ्य विज्ञान – वैयक्तिक स्वच्छता तथा बीमारियों से बचने के उपाय।

गृहविज्ञान – कूड़ा करकट तथा मल मूत्र को हटाना गृह-स्वामिनी के कर्तव्य।

प्रायोगिक— २० अंक

बच्चों की बीमारियाँ। कृत्रिम श्वास क्रिया का उपयोग। साधारण विषैली वस्तुओं के प्रभाव को दूर करने वाली औषधियों का ज्ञान।

सर्पदंश का उपचार। व्यक्तियों को सुरक्षित स्थान में ले जाना। हाँथ, पर घायलों को लेजाना।

सिलाई—फैंसी काम फ्राक, बच्चों के वस्त्र।

फैंसी सिलाई। तकिये का गिलाफ, मेजपोश, चाय पान का आवरण।

वस्त्रों की धुलाई—सूती रेशमी तथा ऊनी वस्त्रों की धुलाई तथा कलफ-लोहा करना।

पाक-विज्ञान—जौ, साबूदाना, सूजी, दही का पानी, दाल खिचड़ी तथा चावल पकाना।

सहायक पुस्तकें :

१. गृहकला तथा गृहप्रबन्ध—लेखक विमला शर्मा तथा मलका वर्मा, प्रकाशक लायल बुकडिपो, मेरठ।
२. वस्त्रविज्ञान एवं परिधान—ले० प्रमिला वर्मा, प्रकाशक-बिहार हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, पटना—३

POORVA MADHYAMA PART II

ENGLISH LITERATURE (OPTIONAL)

PAPER V

MAX. MARKS 50

There shall be one paper of English litt carryof 50 Marks. there shall be two sectioos. Sectionsashall hava three pasagesof exrlanation carrvin 5 marks and two textual questionsof

10 ırks each. Thus section A will have 35 ma Thuss section B will carry 15 marks.t here sha ɔe two questions of 7 & 8 marks.

Section A

W dsworth—the Reaper, the Daffodels

S ley – a lament, the skylerk.

K –On first loohing into clap man's hener

Section B

W er Scott - Ivanhoe (Abridged)

ऐच्छिक अतिरिक्त विषय: अंग्रेजी

he paper shall carry 100 Marks

Max. Marks 100

Tex English Reader book. IV
(M. P. Text book Corporation)
[Last seven lessions and last four poems only]

break-up of marks will be as follows :

[a]	**tual questions ort and long answer questions and mation of words etc.**	**60**
[b]	**ay.**	**15**
[c]	**mmer based on rcises given in the text.**	**25**

Boo ecommended –

n and Martin : English Grammar and Composition.